वर्ग - षष्ठ

विषय - हिन्दी

विषय शिक्षीका – भारती कुमारी

दिनांक - 13/04/2020

भितर राजा साहब का डर से बुरा हाल था । उन्हे जान बचने की कोई आशा दिखाई नहीं दे रही थी । आखिर कुछ ना सुझा तो वह जान पर खेलकर पीछे दिवार पर चढ़ गए और दूसरे तरफ कूद कर भाग निकले । मोती दीवार पर खड़ा छप्पर रौदं रहा था और सोच रहा था दीवार कैसे गिराऊ ? आखिर उसने धक्का देकर दीवार गिरा दी । मिट्टी की दीवार पागल हाथी का धक्का क्या साहती ? मगर जब राजा साहब भीतर ना मिले उसने बांके दीवारें भी गिरा दी और जंगल की तरफ चला गया । महल में लौट कर राजा साहब ने ढिंढोरा पीटा दिया कि जो आदमी मोती को जिंदा पकड़ कर लाएगा उसे एक हजार रूपये इनाम दिया जखयेगा । कई आदमी इनाम के लालच में जंगल गए मगर उनमें से एक भी वापस न लौटा । मोती के एक महावत का एक लड़का था । उसका नाम था, मुरली अभी वह कुल आठ - नौ साल का था , इसलिए राजा साहब दया करके उसे और उसकी मां को खाने - पहनने के लिए कुछ खर्च दे दिया करते थे । मुरली था तो बालक, पर हिम्मत का धनी था । कमर कसकर मोती को लाने के लिए तैयार हो गया । मां ने बहुत समझाया , अन्य लोगों ने भी मना किया , मगर उसने किसी की एक ना सुनी और जंगल की ओर चला गया ।

जंगल में गौर से इधर-उधर देखने लगा । आखिर उसने देखा मोती सिर झुकाए एक पेङ की ओर जा रहा है। उसके चाल से ऐसा मालूम होता था कि उसका मिजाज कुछ ठंडा हो चुका हैं । ज्यों ही मोती पैर के निचे आया , उसने पेड़ के ऊपरी से पुकारा “मोती”

मोती इ आवाज को पहचानता था । वहीं रुक गया और सिर उठा कर ऊपर देखने लगा । मुरली को देखकर पहचान गया । यह वही मुरली था , जिसे वह अपने सूङ पर उठाकर अपने मस्तक पर बिठा लेता था । ' मैंने ही इसके बाप को मार डाला ' यह सोचकर उसे बालक पर दया आ गई । खुश होकर सूङकीहिलाने लगा । मुरली उसके मन के भाव को पहचान गया । वह पेड़ से नीचे उतरा और उसकी सूङ को थपकियां देने लगा । फिर उसे बैठने का इशारा किया । मोती बैठा नहीं , मुरली को अपने सूङ से उठाकर अपने मस्तक पर बिठा लिया और राजमहल की ओर चल पड़ा । मुरली जब मोदी को लिए राजमहल के द्वार पहुंचा तो सब ने दांतो तले उंगली दबा ली। फिर भी किसी की हिम्मत ना होती की मोती के पास जाए । मुरली ने चिल्लाकर कहा, “ डरो मत , मोती बिल्कुल शांत हो गया है । अब यह किसी से कुछ न बोलेगा । “ राजा साहब भी डरते - डरते मोती के सामने आए । उन्हें बहुत अचंभा हुआ की वही पागल मोती अब गाय की तरह सीधा हो गया है । राजा साहब ने मुरली को एक हजार रुपए इनाम दिया और उसे अपना खास महावत बना लिया । अब मोती फिर से राजा साहब का सबसे प्यारा हाथी बन गया ।

————×————